MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2020–2021 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) कीकार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीयकार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी आरै शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जोआपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्यबनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रमदर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपनेही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होनेचाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधारहोगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभालकर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृ पयाइस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरागाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरणः आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमाके भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों कोनिम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2020 सत्र के लिए	31 मार्च 2021	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2020 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसारअपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखितबातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजनाः** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं,उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषणकरने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीयकार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखेंऔर जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधी के सिद्धान्त और विचार भौतिक और आध्यात्मिक अंतर्वस्तु का संश्लेषण हैं, विवेचना कीजिए।

2. दक्षिण अफ्रीका में भारतीय श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा तथा नस्लीय भेदभाव के विरुद्ध गाँधी के संघर्ष की चचा कीजिए।

3. गाँधीसे समबन्धित निम्नलिखित घटनाओं के मूलभूत विशेषताएं एवं महत्ता का वर्णन 250 शब्दों में कीजिए :
   (क) लंदन में गाँधी का विधि के छात्र के रूप में अनुभव
   (ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन

4. 'रचनात्मक कार्यक्रम' की उत्पत्ति, पृष्ठभूमि और मौलिक क्रिया विधि क्या है?

5. महात्मा गाँधी के अनुसार श्रीमद्भगद्गीता का अर्थ एवं संदेश क्या है? व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) 1916 में गाँधीजी का काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में अभिभाषण
   (ख) खिलाफत आंदोलन

7. (क) गाँधी–इरविन संधि
   (ख) पूना संधि

8. (क) 1919–20 में कांग्रेस–मुस्लिम लीग की एकता
   (ख) गाँधी और भारत छोड़ो आंदोलन

9. (क) सत्याग्रह की उत्पत्ति और महत्व
   (ख) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह कीभूमिका

10. (क) वी.डी. सावरकर
    (ख) रविन्द्रनाथ टैगोर

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.–002)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. वेदांत दर्शन पर एक निबंध लिखें। गाँधी पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?
2. भारतीय धर्म के मुख्य स्रोत एवं प्रेरणा और गाँधी का जीवन कैसे इन धर्मों से प्रभावित हुआ, इसकी व्याख्या कीजिए।
3. समाज में समरसता लाने के लिए तुलसीदास के प्रयासों को समझाइये।
4. गाँधी के आर्थिक और राजनीतिक दर्शन पर पश्चिमी चिंतकों के प्रभावों को प्रकाशित कीजिए।
5. मानव स्वभाव अवधारणा का गाँधीवादी दृष्टिकोण की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गाँधी के जीवन में सत्य का अर्थ एवं महत्त्व
   (ख) अहिंसा पर गाँधी के विचार
7. (क) आधुनिक सभ्यता के विरुद्ध गाँधी के तर्क
   (ख) धर्म पर गाँधी के विचार
8. (क) भारतीय सभ्यता पर गाँधी के विचार
   (ख) गाँधी के सुधारक कार्यक्रम
9. (क) सर्वोदय के गाँधीवादी विचार और इसकी समकालीन प्रासंगिकता
   (ख) गाँधी के कर्त्तव्य की अवधारणा और इसका अधिकार के साथ संबंध
10. (क) गाँधी के स्वराज का सिद्धांत
    (ख) स्वदेशी के सिद्धांत एवं इसकी समकालीन समय में प्रासंगिकता

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. सामाजिक परिवर्तन की गाँधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।
2. भारतीय महिलाओं की भूमिका एवं योगदान की व्याख्या कीजिए।
3. दलित वर्ग पर गाँधी के विचार का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. धर्मों के सुधार पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।
5. हिन्दू–मुस्लिम एकता को पाने के लिए गाँधी द्वारा किए गए प्रयासों का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गाँधी के सत्य का सिद्धांत
   (ख) ब्रिटिश भारत में सांप्रदायिक दंगों का गाँधी का विश्लेषण

7. (क) शाकाहार पर गाँधी के विचार
   (ख) आधुनिकता की गाँधीवादी आलोचना

8. (क) भाषा पर गाँधी के विचार
   (ख) भारत में बुनियादी शिक्षा पर गाँधी के विचार

9. (क) मद्यपान–निषेध पर गाँधी के विचार
   (ख) स्वास्थ्य पर गाँधी के विचार

10. (क) 21वीं शताब्दी में मजदूरों पर गाँधी के विचार
    (ख) गाँधी के मानव–प्रकृति संबंध पर विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

खण्ड–I

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. गाँधीवादी राजनीतिक विचार और इसके स्वतंत्रता आंदोलन पर प्रभाव का वर्णन कीजिए।
2. गाँधी के विचार में लोकतंत्र की अवधारण की व्याख्या कीजिए।
3. राष्ट्रवाद के गाँधी के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
4. हिन्द स्वराज में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ब्रिटिश राजनीतिक संस्थाओं का गाँधी का आकलन क्या था?
5. गाँधी एक भागीदारीपूरक, कार्यात्मक और समावेशी राज्य की एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों पर गाँधी के विचार
   (ख) संविधान का सिद्धांत
7. (क) शक्ति एवं प्राधिकार पर गाँधी की अवधारणा
   (ख) उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद पर गाँधी के विचार
8. (क) गाँधी के शांतिवाद का सिद्धांत
   (ख) 21वीं शताब्दी में सत्याग्रह का महत्त्व
9. (क) उदारवाद और संविधानवाद पर गाँधी के विचार
   (ख) धर्मनिरपेक्षता एवं साम्यवाद पर गाँधी के विचार
10. (क) गाँधी की विश्व व्यवस्था की अवधारणा
    (ख) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गांधी के आर्थिक विचार पर स्वदेशी (नैतिक और आध्यात्मिक) प्रभाव क्या हैं?
2. आधुनिक अर्थव्यवस्था की गाँधी के मूल आलोचनाओं की व्याख्या कीजिए।
3. आर्थिक व्यवस्था में हिंसा के स्रोतों का पता लगाएँ। इस हिंसा को कम करने में अहिंसक राज्य कैसे मदद कर सकता है?
4. दक्षिण अफ्रीका में उपनिवेशवाद के गाँधी के अनुभव की व्याख्या कीजिए।
5. गाँधी द्वारा विकसित की गयी जीविका श्रम के सिद्धांत की समालोचना कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) औद्योगिकरण का गाँधीवादी प्रारूप और समकालीन भूमंडलीकृत विश्व में इसकी प्रासंगिकता
   (ख) आत्म–निर्भरता और स्वायत्तता के गाँधीवादी सिद्धांत

7. (क) गाँधी द्वारा प्रस्तावित न्यासिता का सिद्धांत
   (ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित इच्छा की परिसीमा (Limitation of wants)

8. (क) गाँधी के न्यासिता के विचार
   (ख) अपरिग्रह का सिद्धांत

9. (क) जे.सी. कुमाराप्पा (1892–1960)
   (ख) ई.एफ. शूमाकर (1911–1977)

10. (क) गाँधी का अहिंसक आर्थिक व्यवस्था का सिद्धांत
    (ख) खादी और ग्रामीण उद्योगों पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. भारत में सामाजिक क्रांति की उपलब्धियाँ एवं कमियो की व्याख्या कीजिए।

2. भारत में शांति आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका की चर्चा कीजिए।

3. गाँधी के पश्चात् अहिंसक आंदोलनों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. आज के मानवजाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिक मुद्दे की व्याख्या कीजिए।

5. जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति के महत्त्व को समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) मद्यनिषेध आंदोलन
   (ख) भारत में किसान आंदोलन

7. (क) नारीवादी–पर्यावरण आंदोलन
   (ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

8. (क) भारत में राष्ट्रीय जल नीति
   (ख) 21वीं शताब्दी में ग्रीन पीस आंदोलन (Green Peace Movement)

9. (क) साइलेंट वैली आंदोलन
   (ख) जल–संरक्षण आंदोलन

10. (क) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
    (ख) दक्षिण–अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. सामाजिक और सांस्कृतिक वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? इसके कुप्रभावों पर प्रकाश डालिए।
2. ग्राम स्वराज के मूल सिद्धांत और आज के समय में इसकी प्रासंगिकता की संक्षिप्त में व्याख्या कीजिए।
3. लोकतंत्र की परिभाषा और लोकतंत्र के विभिन्न प्रकारों में अंतर बताएं।
4. यंग इंडिया और हरिजन ने भारत में किस तरह से स्वतंत्रता संग्राम जनमत को आकार दिया? वर्णन करें।
5. राज्य की परिभाषा दीजिए और आधुनिक राज्य की खास विशेषताएं बताएं?

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में धार्मिक बहुलवाद और धर्मनिरपेक्षता का स्वरूप
   (ख) भारत और इसकी सांस्कृतिक विविधता

7. (क) आतंकवाद से मुकाबला करने के गाँधीवादी विधि
   (ख) सामाजिक समावेश के गाँधीवादी तरीके

8. (क) विकास के गाँधीवादी प्रारूप में गाँव की महत्ता
   (ख) भारत और इसकी सांस्कृतिक विविधता

9. (क) धर्म पर गाँधी के विचार
   (ख) समकालीन दुनिया में मीडिया का महत्व और इसकी भूमिका

10. (क) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर गाँधी के विचार
    (ख) आतंकवाद की समस्या के समाधान के गाँधीवादी दृष्टिकोण

पाठ्यक्रमः गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.–014)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गांधी को एक महान मानव पारिस्थितिकीविद् क्यों कहा जाता है? विस्तार से बताएं।

2. विकास के विभिन्न अवधारणा और इसका पर्यावरण के साथ संबंध की व्याख्या कीजिए।

3. भारत में पारिस्थितिकी और विकास की पूरकता के ऐतिहासिक दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

4. विकास की गांधीवादी अवधारणा की आध्यात्मिक बुनियाद पर चर्चा करें।

5. ग्रामवासियों के लिए गाँधीवादी आत्मनिर्भरता एवं स्वतः–पर्याप्त के महत्त्व का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गाँधीवादी विकास के आध्यात्मिक आधार
   (ख) परिस्थितिकी एवं विकास पर परिप्रेक्ष्य

7. (क) गाँधी की जीवन शैली एवं आजीविका
   (ख) मानवता पर गाँधी के विचार

8. (क) गहन परिस्थितिकी के सिद्धांत
   (ख) भारत में पर्यावरण के संरक्षण पर गाँधी के विचार

9 (क) विकास के संस्थागत आयाम
   (ख) सर्वोदय का दार्शनिक आधार

10 (क) गाँधी और इनके आश्रम और समकालीन प्रासंगिकता
   (ख) प्रभावी पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा और हरित पहल